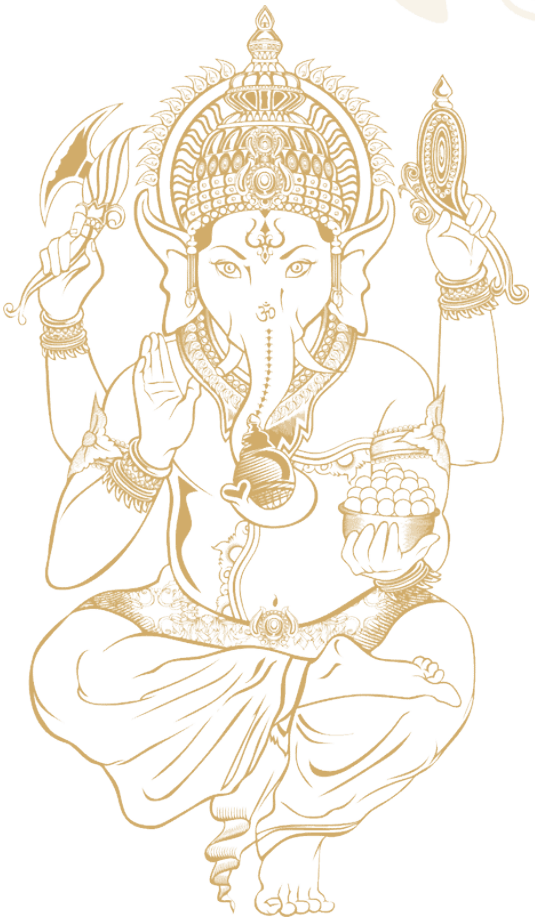

08 Mar 2020

06:00 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121439802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/03/2020**
दिन	रविवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	28:23:13 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:42 घंटे
साम्पातिक काल	04:45:34 घंटे
सूर्योदय	06:38:42 घंटे
सूर्यास्त	18:25:23 घंटे
दिनमान	11:46:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:15:56 कुम्भ
लग्न के अंश	19:29:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:29:54	316:07:06	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कुंभ	24:15:56	00:59:59	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	06:56:22	15:02:25	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
मंगल			धनु	20:23:03	00:41:32	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध	व		कुंभ	04:13:13	00:10:35	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	26:45:06	00:10:20	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			मेष	09:33:41	01:04:56	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि			मक	04:44:09	00:05:25	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	स्वराशि
राहु	व		मिथु	11:23:23	00:09:36	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	11:23:23	00:09:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	09:52:10	00:02:38	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:15:39	00:02:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:18:06	00:01:20	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			वृष	18:41:37	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:04

लग्न-चलित

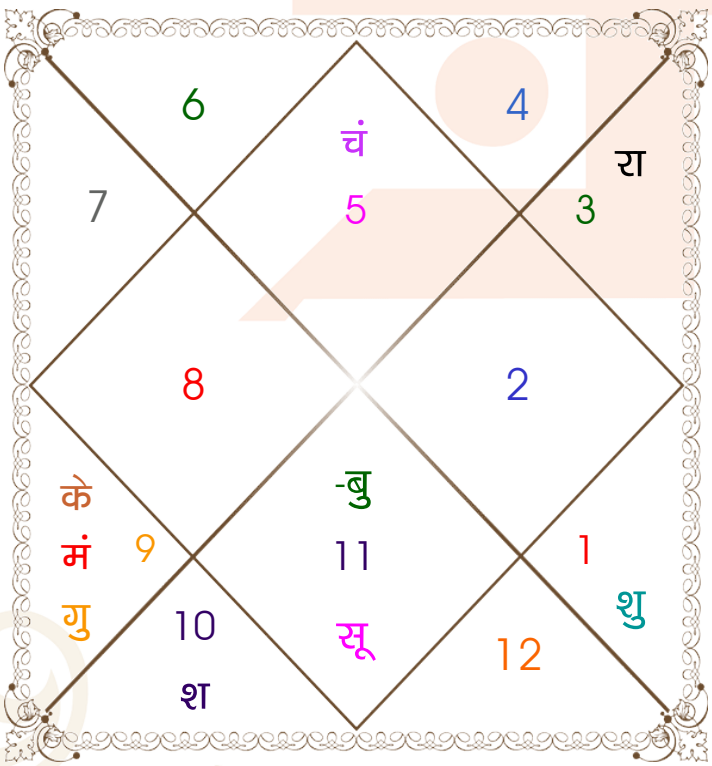

चन्द्र कुंडली

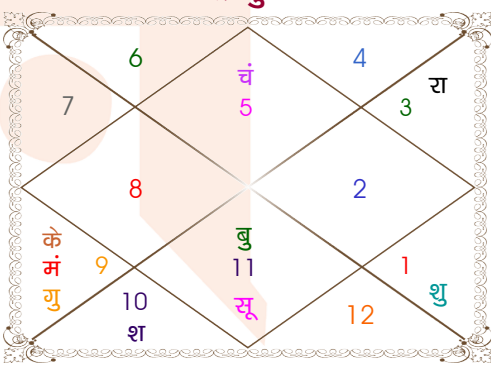

नवमांश कुंडली

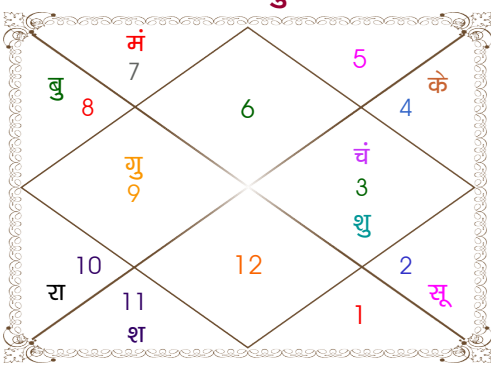

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 4 मास 8 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/03/2020		17/07/2023		17/07/2043		17/07/2049		17/07/2059	
17/07/2023		17/07/2043		17/07/2049		17/07/2059		17/07/2066	
	00/00/0000	शुक्र	16/11/2026	सूर्य	04/11/2043	चंद्र	17/05/2050	मंगल	13/12/2059
	00/00/0000	सूर्य	16/11/2027	चंद्र	05/05/2044	मंगल	16/12/2050	राहु	31/12/2060
	00/00/0000	चंद्र	17/07/2029	मंगल	09/09/2044	राहु	16/06/2052	गुरु	07/12/2061
	00/00/0000	मंगल	16/09/2030	राहु	04/08/2045	गुरु	16/10/2053	शनि	16/01/2063
	08/03/2020	राहु	16/09/2033	गुरु	23/05/2046	शनि	17/05/2055	बुध	13/01/2064
राहु	04/07/2020	गुरु	17/05/2036	शनि	05/05/2047	बुध	16/10/2056	केतु	10/06/2064
गुरु	10/06/2021	शनि	17/07/2039	बुध	11/03/2048	केतु	17/05/2057	शुक्र	10/08/2065
शनि	20/07/2022	बुध	17/05/2042	केतु	17/07/2048	शुक्र	16/01/2059	सूर्य	16/12/2065
बुध	17/07/2023	केतु	17/07/2043	शुक्र	17/07/2049	सूर्य	17/07/2059	चंद्र	17/07/2066

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
17/07/2066		17/07/2084		18/07/2100		18/07/2119		18/07/2136	
17/07/2084		18/07/2100		18/07/2119		18/07/2136		00/00/0000	
राहु	29/03/2069	गुरु	04/09/2086	शनि	21/07/2103	बुध	14/12/2121	केतु	14/12/2136
गुरु	23/08/2071	शनि	17/03/2089	बुध	30/03/2106	केतु	11/12/2122	शुक्र	13/02/2138
शनि	29/06/2074	बुध	23/06/2091	केतु	09/05/2107	शुक्र	11/10/2125	सूर्य	21/06/2138
बुध	15/01/2077	केतु	29/05/2092	शुक्र	09/07/2110	सूर्य	17/08/2126	चंद्र	20/01/2139
केतु	03/02/2078	शुक्र	28/01/2095	सूर्य	21/06/2111	चंद्र	17/01/2128	मंगल	18/06/2139
शुक्र	02/02/2081	सूर्य	16/11/2095	चंद्र	19/01/2113	मंगल	13/01/2129	राहु	09/03/2140
सूर्य	28/12/2081	चंद्र	17/03/2097	मंगल	28/02/2114	राहु	03/08/2131		00/00/0000
चंद्र	29/06/2083	मंगल	21/02/2098	राहु	04/01/2117	गुरु	07/11/2133		00/00/0000
मंगल	17/07/2084	राहु	18/07/2100	गुरु	18/07/2119	शनि	18/07/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते है। उस प्रकार की दिक्कतें का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हों।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रर्याप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।